Minister repeatedly requested the Prime Minister. The Government of India has responded to it properly and in time. Batches by batches all fishermen have been released. We do not want to see such a thing should recur in future. So, I request the Government of India and the Prime Minister to protect Tamil fishermen, they should be allowed to fish in that particular area daily. We are seeing that the Srilankan Navy is encroaching and treapassing our area and disturbing our fishermen.

The Coast-Guard

331

Other Members have mentioned about the LTTE activities in the coastal area of Ramanathapuram. It has appeared in newspapers yesterday that the LTTE people were sending some letters to some people in Tamil Nadu, that they were exchanging their circumstances and that they were getting help from some Tamil Nadu people. This should be curtailed. The Tamil Nadu Government and our leader is very serious about curtailing the activities of the LTTE, about taking all effective steps to protect the interests of Tamil fishermen, for which the Government of India should help us.

Thank you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): Thank you, Mr. Duraisamy.

Mr. Agarwal, do you want to say something?

FELICITATIONS TO RETIRING MEMBER. V. NARAYANA-SHRI SAMY—Contd.

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं नारायणसामी जी का ध्यान आकर्षित करना चोहता हं। मुझे यह कहते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि मैंने श्रीमान नारायणसामी जी के साथ दो विदेश यात्राओं में अपना समय गुजारा था। भृतपूर्व राष्ट्रपति महोदय के साथ जब हम यात्रा में गए तो इनकी उपस्थित(व्यवधान).... इनकी उपस्थिति के बगैर हमारी यात्रा अधरी रहती। मैं इस बात को भी जानता हं कि जब वह इस बैंच पर बैठते थे तो कभी बायीं तरफ देखंते थे तो वामपंथियां पर अपनी तलवारें निकाल लेते थे और जब दायीं तरफ देखते थे तो काल्ड दक्षिण पंथियों की ओर भी इनकी निगाहें कुछ कमजोर नहीं हिआ करती थीं। लेकिन उसके बावजूद भी मैंने यह पाया है कि विदेश में यात्रा के समय नारायणसामी जी बिल्कुल बदले हुए व्यक्ति रहते थे और पार्टी इत्यादि की बातें न करके, बहुत शानदार और वजनदार बातें किया करते थे। आज जब वह यहां से विदा हो रहे हैं तो निश्चित रूप से हमारे मन में उनके प्रति बहुत सहानुभूति भी है, बहुत स्नेह भी है और बहुत आशा भी है कि नारायणसामी जी जैसे दबंग वक्ता फिर से एक बार राज्य सभा में आएं, ऐसी आशा हमारी होना स्वाभाविक है। बाकी हो उनकी पार्टी जाने। हम क्या कर सकते हैं।(व्यवधान).... पांडिचेरी में हम हैं नहीं, होते तो आपकी मदद करते। थैंक यु वैरी मच, वाइस चैयरमैन साहब कि आपने मुझे इजाजत दी।

श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल (गुजरात)ः उपसभाध्यक्ष महोदय, श्री नारायणसामी जी हमारे साथीदार रहे हैं और जो लाइवली स्पीचिज उनके थ यहां हमें सनने को मिलती थीं उसकी हाउस को कमी रहेगी और जो उन्होंने योगदान दिया है उसकी भी कमी रहेगी। हम चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी वह हाउस में वापस आएं और हमारे कांग्रेस के तो यह साथीदार हैं ही, लेकिन परे हाउस की मंशा है और मैं मानती हं कि यह जरूर पूरी होगी। मैं उनको शुभकामनाएं देती हं।

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): उपसभाध्यक्ष महोदय, नारायणसामी जी से मेरा 1992 में जब मैं इस सदन में आया था पहला संबंध हुआ था और जब सदन में बहत जोर था तथा काफी हंगामा चल रहा था, तब का वह समय था। लेकिन तब से मैं देख रहा हं कि श्री नारायणसामी जी की आवाज़ सदन में घूम रही है, जिस दिन नहीं घूमी हो ऐसा दिन मुझे याद नहीं। उनका बोलने का तरीका बहुत अलग था, लेकिन जब आपके सामने उधर चेयर पर बैठते थे तो हाउस को चलाने का तरीका भी बहुत अलग रहता था और दोस्ती करने के लायक उनका खुद का जो खास ढंग है वह तो मैं कभी भी भूल नहीं सकता हूं। ऐसा प्याग आदमी कल से सदन में नहीं होगा, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द से जल्द हम उनको फिर से पास पायेंगे और सदन की दोस्ती और बढेगी, इतना मुझे विश्वास है। धन्यवाद।

श्री जलालुदीन अंसारी (बिहार): महोदय, ग्रारायणसामी जी की कमी हम लोगों को खटकेगी इसमें कहा कोई दो एय नहीं है। एक अच्छे क्वता के रूप में विभिन्न मामलों पर यह अपनी बात रखते हरू सदन की काफी मदद किया करते थे। हम आशा करते हैं कि ्नके अध्यक्ष पुनः इनको बला लेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है और जब यह आ जायेंगे तो इन की कमी भी दर हो ज़ायेगी और मित्रवत् हम लोग जिस तरह से सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेते हैं, वैसे ही लेते रहेंगे। धन्यवाद ।

It مغرى جلال الرين العماوي بميار" : مجوي-نادائ سوای جی کی کی به وال کو تفکیلی السميس ليس دورائ بني بع-ريد الجع يه ابني بات أرتح بمورد مرون في كافي لوگ همد بلرح بسے معودی کی کار رودی مير عقيد لينة ہيں وہيسے ہی منتکریہ -

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): Sir, can we move an amendment on Mr. Narayanasamy? (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN TRILOKI NATH CHATURVEDI): I will convey you feelings to the Leader of the Party that after a short rest and relaxation most of the hon. Members expect him back.

SHRI SURINDER KUMAR SINGLA (Punjab): Sir, Narayanasamy Ji is an extremely good Parliamentarian. He has contributed immensely to the debats in the Parliament on every subject we can think of. For us, the junior Members in the House, he was always like a guard and a monitor. (Interruptions)

Mr. Narayansamy has been a guard and a monitor. Probably we will miss him for a few days. We hope that my party leadership gets him back into the House so that the House doesn't miss his presence. Thank you.

मौलाना हबीब्र्रहमान नोमानी (नाम-निर्देशित)ः सदर साहब. आज नारायणसामी जी हमसे विदा हो रहे हैं, इसमें कोई शुबह नहीं कि इनका घ्यक्तित्व, इनकी शिख्सयत एक निराली शिख्सयत है और आप बहुत से गुणों के, बहुत सी खुबियों के हामिल हैं। हम ऐसी उम्मीद करते हैं कि बहुत दिनों तक हम इनको याद करेंगे और याद करते ही रहेंगे। आप फिर वापस इस सदने में आ जाएं, ऐसी हम कामना करते हैं, ऐसी हम दुआ करते हैं और हर क्षेत्र में, हर तबके में, हर काम में हम इनकी कामयाबी के लिए दुआ करते हैं। इन्हीं लंफुजों के साथ इनकी जुदाई पर और इनकी रूख्सत पर इजहारे अफसोस करते हैं। शुक्रिया।

بادر عبى دينكيك- أب مير واليس اس مدن مين رجائين -اليسي م كامناكرة

ہیں-الیسی ہے دعائر کے ہیں اور ہراکشیز میں ہر طبیقے میں ۔ ہرکام میں ہم (کئی کامیا بی کیلئے دعائر کے ہیں۔الہی تفقیل کے معمالی الئی جدال ہراور ان کے رخصنت ہونے ہر انفیمار افسیس کرتے ہیں-تشکریہ -]

श्री रामदेव भंडारी (बिहार): धन्यवाद, उपसभा-ध्यक्ष जी, श्री नाययणसामी जी एक अच्छे पार्लियामेंटेरि-यन ही नहीं, एक बड़े अच्छे इन्सान भी हैं, दोस्तों के दोस्त भी हैं। हमें दुख है कि आज यह हमसे जुदा हो रहे हैं, मगर हम आशा करते हैं कि शीध ही हम इन्हें फिर अपने बीच पार्गा। इन्हों शब्दों के साथ में उनको अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से शुभकामना देता हूं कि जिस तरह वह संसद के माध्यम से और अन्य माध्यमों से देश की सेवा करते आए हैं उसी तरह वर्षों तक देश की सेवा करते रहेंगे। बहत बहत धन्यवाद।

SHRI S.B. CHAVAN (Maharashtra): Mr. Vice-Chairman, Sir, I have great pleasure in felicitating Mr. Narayanasamy for all the good work that he has been doing all through in this House. There are a few Members whe are so attentive and so glert. If there is some issue to be raised in the House, he doesn't miss even the slightest opportunity of raising it. He is such an important Member. Since he is retiring, I cannot possibly say whether he is going to come back or not. It is very difficult for me to say this. But still my good wishes are always with him. We hope that he will be able to come back.

SHRI V. NARAYANSAMY (Pondicherry): I will take only two minutes.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): That is why I conveyed to the leader of the party the entire wishes of the House.

SHRI V. NARAYANASAMY: Honourable Mr. Vice-Chairman, Sir, honourable leader of my party, honourable Leader of the Opposition, and leaders of various political parties including the non. Home Minister, I have been in this House for the last 12 years. I got advice from all senior leaders and hon. Members. I also got their opinions on every subject. I used to discuss every subject with them. In the beginning when I was new to this House and whenever I used to raise issues in the House, they used to guide me. When we had acrimonious scenes on several issues, we used to rush to the well of the House. Whenever the leader of my party gave a sign I sat down. The honourable Chairman, the honourable Deputy Chairman and honourable .Vice-Chairmen have been very cooperative with me. I took a lot of liberty with the Chair. But when I was in the Chair, I did not give any liberty to hon. Members. This has been a memorable period in my life because everybody was kind to me. They showed me their love and affection which I will carry with me throughout my life. I would like to say, whether I come to this House or not, I will try to serve the people of this country, especially the people of my State, the poor and the downtrodden. I will devote my whole time for the wellbeing of the people of this country. I am thankful to the hon, leaders, to all the hon Members and also to the hon. Chair for the kind words that have been

THE COAST-GUARD (AMENDMENT) BILL, 1996...Contd.

addressed to me. Thank you

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): Thank you and wish you all the best.

Hon. Minister, would you like to make reply to the points raised by Members?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI N.V.N. SOMU): Sir, at the outset, I am thankful to all the hon. Members who participated in the discussion and offered their suggestions.